संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -261 सोमवार ,22 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का बाईसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

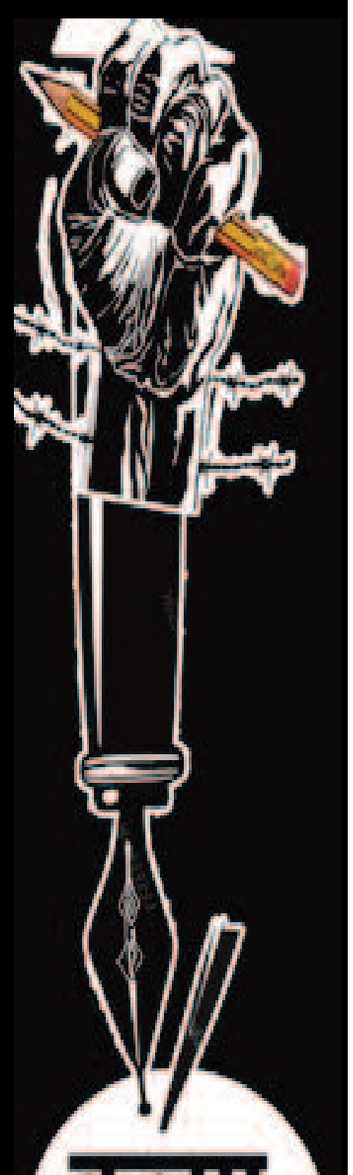

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का बाईसवां दिन

?

कलम बंद...का बाईसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 21 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

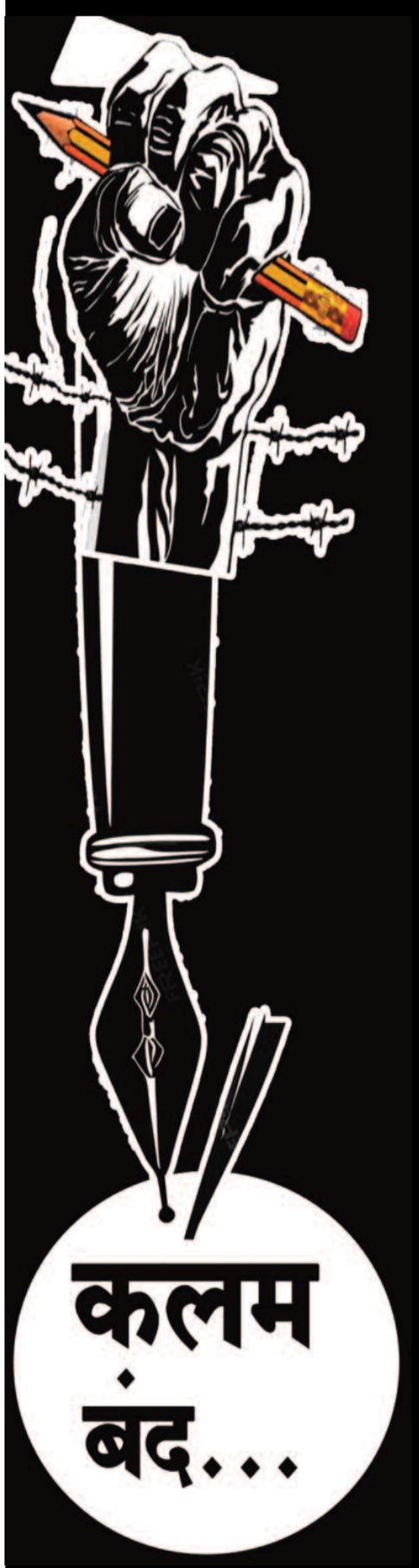

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

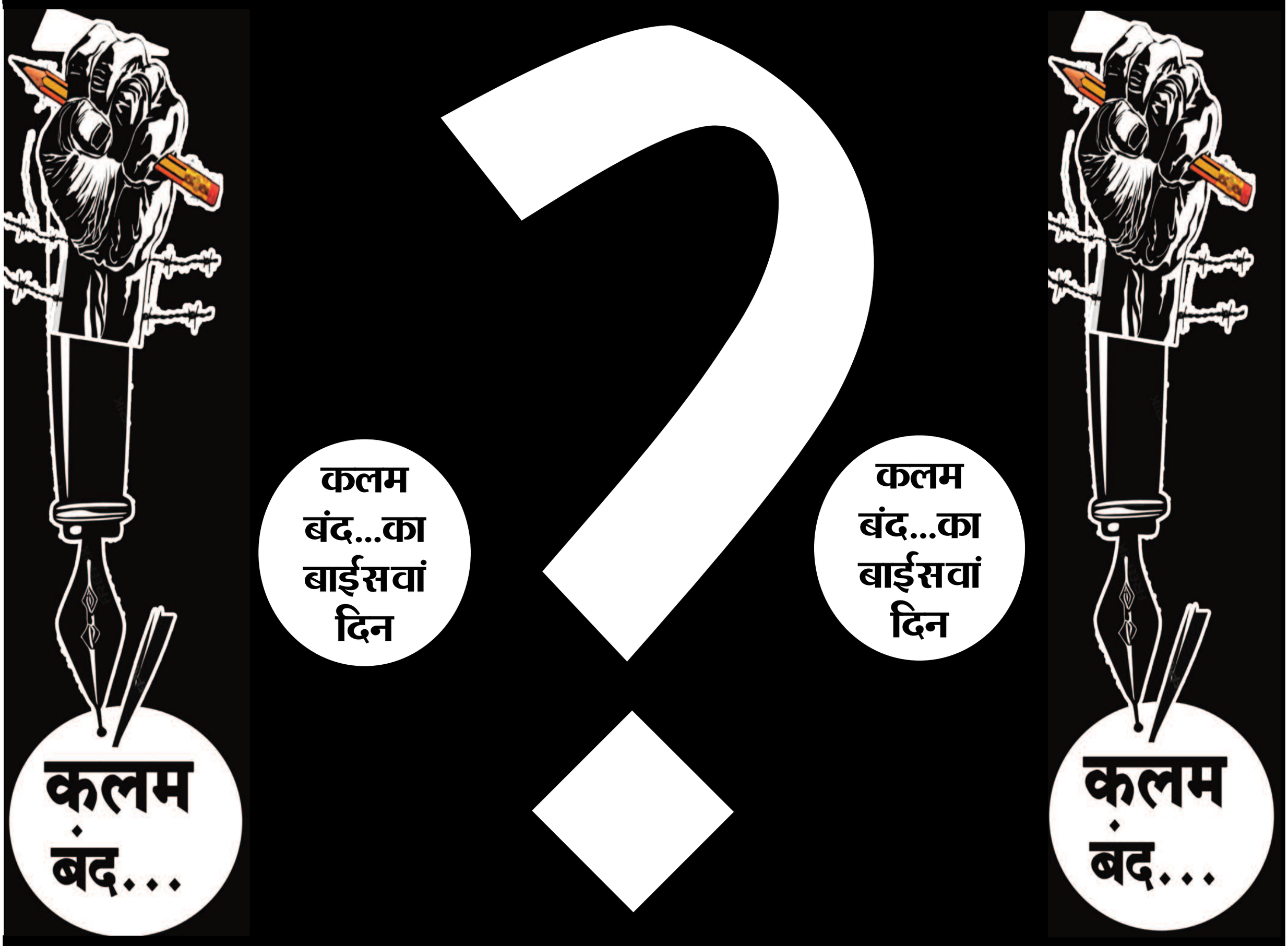

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

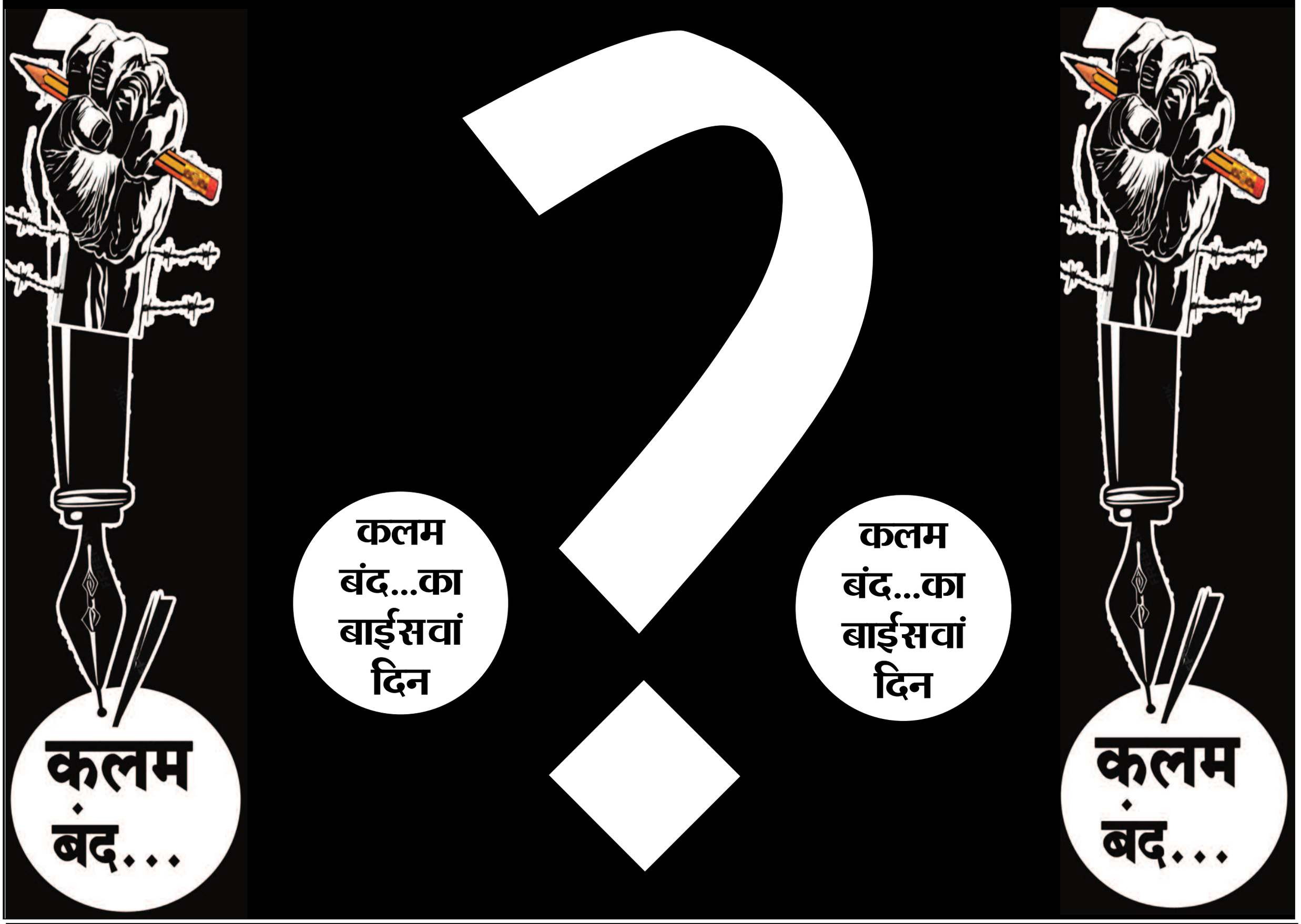

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 21 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

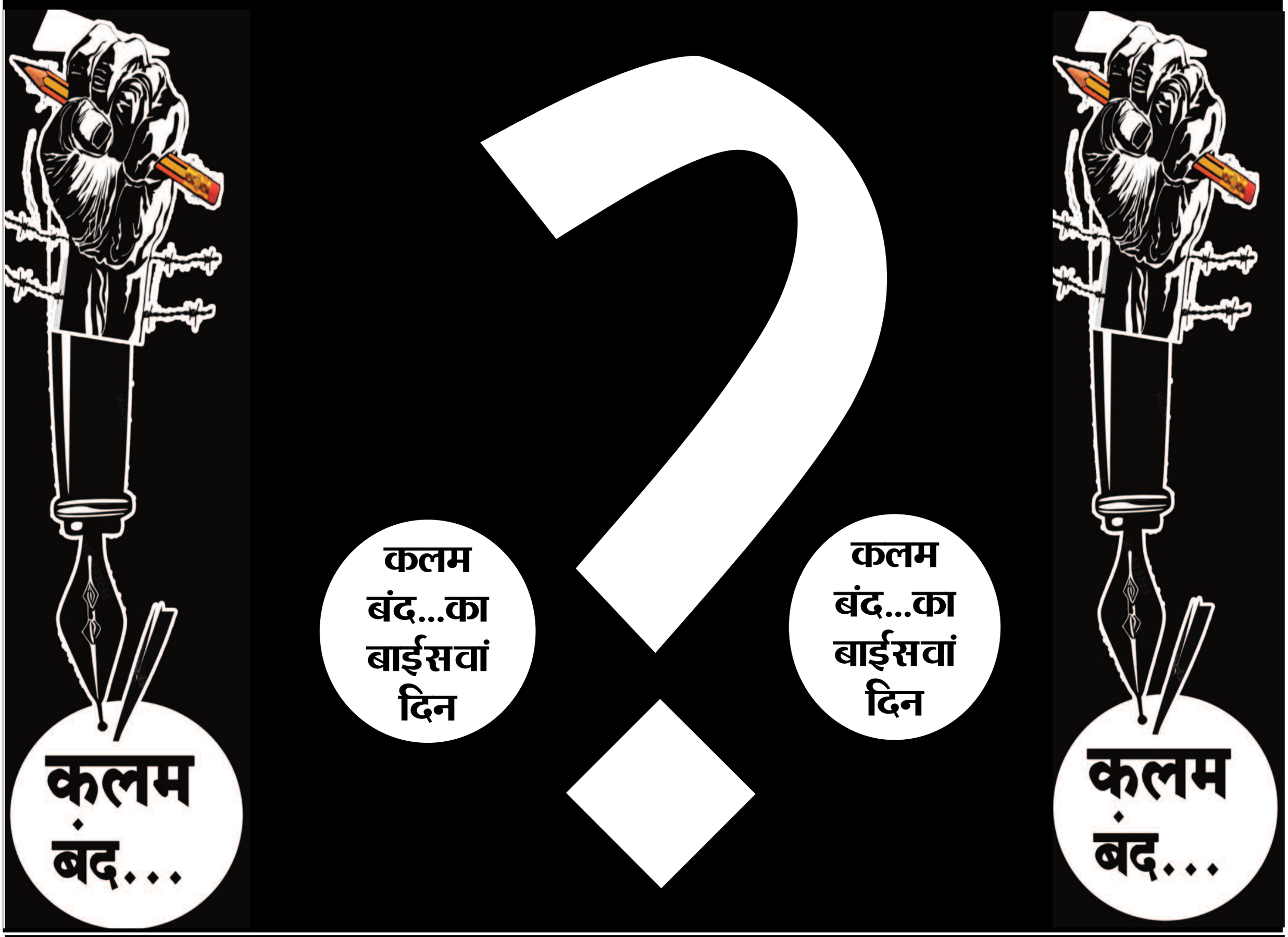

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने खेल गांव पहुंची भारतीय हॉकी टीम

» 27 जुलाई को खेलेगी पहला मुकाबला

पेरिस,21 जुलाई 2024। ओलंपिक के इतिहास में अभी तक हॉकी में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है जिसमें कुल 12 पदक जीतने में कामयाबी मिली है। वहीं टोक्यो में हुए पिछली बार के ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम कांस्य पदक को जीतने में कामयाब हो सकी थी जो काफी लंबे समय के बाद इस इवेंट में टीम ने कोई पदक जीता था। वहीं फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों में अबकी बार हॉकी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है जिसके पीछे उनका पिछले एक साथ शानदार प्रदर्शन भी है। पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए भारतीय हॉकी टीम खेल गांव भी पहुंच चुकी है।

अपने सपनों की उड़ान भरने खेल गांव पहुंची भारतीय हॉकी टीम

भारतीय हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने के लिए खेल गांव पहुंच चुकी है, जिसका वीडियो हॉकी इंडिया की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। इस

वीडियो के साथ हॉकी इंडिया ने लिखा कि भारतीय पुरूष हॉकी टीम अपने सपनों का उड़ान भरने ओलंपिक गांव पहुंची। ओलंपिक सपना अब शुरू होता है! वहीं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी हॉकी इंडिया को ओलंपिक में उनके अभियान की शुरुआत होने से पहले शुभकामनाएं देने के साथ वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारी शानदार हॉकी टीम ओलंपिक गांव में पेरिस पहुंच चुकी है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 27 जुलाई को पूल बी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उन्हें 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम की टीम के खिलाफ मैच खेलना है वहीं अपने ग्रुप के आखिरी मैच में भारतीय टीम को मजबूत ऑस्ट्रेलिया की टीम से भिड़ना है। भारत ने अब तक ओलंपिक के इतिहास में हॉकी में 13 पदक अपने नाम किए हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच का हुआ ऐलान

» श्रेयंका पाटिल टी 20 एशिया कप से हुईं बाहर

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2024। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी श्रीलंका में खेले जा रहे टी20 एशिया कप में खेल रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मुकाबले में 7 विकेट से शानदार जीत हासिल की थी, वहीं अब उन्हें यूएई की टीम के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलना है। टीम इंडिया को इस मैच से पहले एक बड़ा झटका श्रेयंका पाटिल के रूप में लगा है चोटिल होने की वजह से इस पूरे टूर्नामेंट में अब आगे खेलते हुए नहीं दिखाई देंगी। वहीं ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच की घोषणा कर दी है। स्पेन के मनोलो मार्केज को अहम जिम्मेदारी मिली है। भारतीय टीम को एक बड़ा झटका ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल के रूप में लगा है जो उंगली में फ्रेक्चर होने की वजह से इस पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

श्रेयंका पाटिल की जगह पर तनुजा कंवर बनी टीम इंडिया का हिस्सा

महिला टी20 एशिया में पूरे टूर्नामेंट से बाहर होने वाली श्रेयंका पाटिल की जगह पर 26 साल की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज तनुजा कंवर को टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा बनाया गया है। तनुजा महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाएंट्स टीम का हिस्सा हैं और उन्होंने दूसरे सीजन में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 10 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा इंडिया ए महिला टीम के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी वह टीम का हिस्सा हैं।

हम भारत के बगैर खेलेंगे

» चैंपियंस ट्रॉफी पर पाकिस्तानी गेंदबाज़ के बयान से मची सनसनी

करांची,21 जुलाई 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अब तक चीज़ें साफ नहीं हो सकी हैं। टूर्नामेंट की मेज़बानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन टीम इंडिया आईसीसी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करने को तैयार नहीं है। 2023 में खेले गए एशिया कप में भी टीम इंडिया ने पाकिस्तान की दौरा नहीं किया था और टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला गया था। अब इस बीच पाकिस्तान के स्टार तेज़ गेंदबाज़ हसन अलीने बड़ा बयान देते हुए कहा कि हम भारत के बगैर चैंपियंस ट्रॉफी खेलेंगे।

हसन अली ने कहा कि अगर हम भारत जा रहे हैं तो उन्हें भी पाकिस्तान आना चाहिए। इसके अलावा पाकिस्तानी पेसर ने कहा कि स्पोर्ट्स को राजनीति से दूर रखना चाहिए। हसन अली ने इस बात का भी दावा किया कि कई भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में खेलना चाहते हैं। समा टीवी से बात करते हुए हसन अली ने कहा, अगर हम वहां (भारत) खेलने जा रहे हैं, तो उन्हें भी पाकिस्तान आना चाहिए। बहुत से लोगों ने अनगिनत बार कहा है कि खेल को राजनीति से दूर रहना चाहिए। लेकिन अगर आप इसे अलग एंगल से देखेंगे, तो कई भारतीय खिलाड़ियों ने इंटरव्यू में कहा कि वह पाकिस्तान में खेलना चाहते है। इसलिए, इसका यह मतलब नहीं है कि टीम नहीं खेलना चाहती है। वह आना चाहते हैं. लेकिन ज़ाहिर है कि उनके पास विचार करने के लिए अपनी नीतियां, देश और बोर्ड हैं।

आगे पाकिस्तानी पेसर ने कहा, जैसा कि हमारे चेयरमैन कह चुके हैं, अगर चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तानी में होने वाली है तो यह पाकिस्तान में ही होगी। अगर इंडिया नहीं आना चाहती तो हम उनके बगैर खेलेंगे। पाकिस्तान में क्रिकेट खेला जाना चाहिए और अगर इंडिया हिस्सा नहीं लेना चाहती, तो इसका यह मतलब नहीं कि क्रिकेट खत्म हो गया। इंडिया के अलावा और भी कई टीमें हैं।

रोहित शर्मा आईपीएल 2025 से पहले छोड़ देंगे मुंबई इंडियंस का साथ?

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2024। आईपीएल 2025 से पहले कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं। अब बताया जा रहा है कि मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जितवाने वाले रोहित शर्मा आईपीएल 2025 से पहले फ्रेंचाइज़ी से अलग हो सकते हैं। हालांकि आईपीएल 2024 में ही इस बात की अटकलें लगाई जा रही थी कि रोहित शर्मा अगले साल के आईपीएल में मुंबई से नहीं बल्कि किसी और टीम से खेलेंगे। अब इन अटकलों के बीच सामने आई रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या को टीम का कप्तान बनाया था, जिसके बाद से ही खबरें तेज़ हो गई थीं कि रोहित शर्मा 2025 के आईपीएल में फ्रेंचाइज़ी से अलग हो सकते है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि रोहित शर्मा आईपीएल 2025 से पहले मुंबई इंडियंस को अलविदा कह सकते हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि हिटमैन मुंबई को छोड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बन सकते हैं। रिपोर्ट में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले सूर्यकुमार यादव को लेकर भी कहा गया कि वह भी फ्रेंचाइज़ी से अलग हो सकते हैं।

वीवीएस लक्ष्मण को मिला आईपीएल में कोचिंग का ऑफर

» सितंबर में छोड़ सकते हैं एनसीए हेड का पद...

» आईपीएल में फिर से नजर आ सकते हैं वीवीएस लक्ष्मण...

» सितंबर में एनसीए प्रमुख कार्यकाल खत्म हो रहा है...

» विक्रम राठौर बन सकते हैं एनसीए के नए प्रमुख...

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2024। आईपीएल 2024 के खत्म हुए अभी दो महीने का समय भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी फ्रेंचाइजियों ने अगले सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। आईपीएल 2025 से पहले मेगा नीलामी होनी है। सभी को नए सिरे से टीम बनानी होगी। इसी वजह से फ्रेंचाइजी ने अभी से माथापच्ची शुरू कर दी है। इसके साथ ही सपोर्ट स्टाफ के लिए भी नए नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं।

लक्ष्मण आईपीएल में दिखेंगे

आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में वीवीएस लक्ष्मण को शामिल करने की दिलचस्पी दिखाई है। लक्ष्मण अभी बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी के प्रमुख हैं। ऐसा माना जा रहा है कि लक्ष्मण बीसीसीआई से एनसीए में अपना कार्यकाल बढ़ाने की इच्छा नहीं रखते हैं। उनका कार्यकाल सितंबर में खत्म हो रहा है। राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के हेड कोच बनने के बाद उनकी जगह बीसीसीआई लक्ष्मण एनसीए प्रमुख बने थे।

पेरिस ओलिंपिक में भारत का एक ही वेटलिफ्टर

» उम्मीदों का भार अकेले उठाएंगी मीराबाई चानू...

» वेटलिफ्टिंग में भारत के पास दो ओलिंपिक मेडल...

» मीराबाई चानू जीतना चाहेंगी लगातार दूसरा मेडल...

पेरिस,21 जुलाई 2024। पेरिस ओलिंपिक में वेटलिफ्टिंग में भारत को मेडल दिलाने का पूरा दारोमदार स्टार वेटलिफ्टर साईखोम मीराबाई चानू पर होगा। वह एकमात्र भारतीय वेटलिफ्टर हैं जिन्होंने पेरिस खेलों के लिए क्वॉलिफाई किया है। इस बार उम्मीद होगी कि वह 49 किलोग्राम वेट कैटिगरी में ना केवल पदक जीतेंगी, बल्कि इसका रंग बदलकर चांदी से सोना भी कर देंगी। चानू ने तोक्यो ओलिंपिक 2020 में सिल्वर मेडल जीता था। तोक्यो में उन्होंने कुल 202 किलो वेट उठाकर मेडल जीता था। तोक्यो ओलिंपिक के बाद पेरिस तक पहुंचने का चानू का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। चोटों और इंजरी के सिलसिले ने उनके लिए काफी मुश्किलें पैदा की, जिसमें उन्हें कलाई और हिप इंजरी भी हुई। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी की है। बीते अप्रैल में फुकेट में हुए वर्ल्ड कप में उन्होंने 184 किलो वेट उठाकर पेरिस का टिकट कटाया। इस दफा मेडल लगभग पक्का करने के लिए उन्हें कम से कम 200 किलो का वजन उठाना होगा। उनकी कैटिगरी में चीन की होऊ झीहुई हैं जिनके नाम ओलिंपिक और वर्ल्ड रेकॉर्ड है। थाईलैंड, अमेरिका और जापान की वेटलिफ्टर भी अच्छी चुनौती पेश करेंगी।

पेस और अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल

» यह उपलब्धि पाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2024। युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लिएंडर पेस और टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए। यह दोनों दिग्गज ब्रिटिश टेनिस पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंततः ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया।

पेस बोले-मेरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं।

पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

गर्लफ्रेंड छोड़कर गई तो आमिर खान ने मुंडवा लिया था अपना सिर

आमिर खान जो भी फिल्म करते हैं, उसके किरदार में रंगने के लिए किसी भी हद तक जाने से पीछे नहीं हटते। यही वजह है कि उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है। लेकिन आमिर तो प्यार और रिश्तों में भी पीछे नहीं हटते। एक बार तो उन्होंने गर्लफ्रेंड के लिए अपना सिर मुंडवा लिया था। यह तब की बात है, जब वह फिल्म %होली% में काम कर रहे थे। तब लोगों को लगा कि आमिर ने फिल्म के लिए सिर मुंडवाया है, पर एक्टर ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप होने के बाद सिर मुंडवाया था। यही नहीं, तब उन्होंने खून से खत भी लिखे थे, जिसे लेकर उन्होंने फैंस को आगाह भी किया था और कहा था कि वो कभी ऐसा न करें।आमिर खान जब सिमी ग्रेवाल के चैट शो में आए थे, तो उन्होंने बताया था कि वह कितने इंटेंस लवर थे, और गर्लफ्रेंड के लिए क्या-क्या कर बैठे थे। आमिर ने साल 1986 में रीना दत्ता से शादी की और दो बच्चों के पैरेंट्स बने। लेकिन 2002 में उनका तलाक हो गया, और फिर आमिर ने 2005 में किरण राव से शादी कर ली थी और बेटे आजाद के पिता बने। हालांकि, अब आमिर और किरण राव का भी तलाक हो चुका है।आमिर ने सिमी ग्रेवाल को बताया था कि जिस लड़की से वह प्यार करते थे, जब वह उन्हें छोड़कर चली गई तो अपना सिर मुंडवा लिया था। आमिर से पूछा गया था कि क्या उन्होंने साल 1984 में आई फिल्म होली के लिए अपना सिर शेव किया था? एक्टर ने बताया था, मैंने सिर फिल्म के लिए नहीं, बल्कि इसलिए शेव किया था क्योंकि गर्लफ्रेंड छोड़कर चली गई थी। मैं जिस लड़की से प्यार करता था, उसने कहा कि वो मुझसे प्यार नहीं करती।

वो बचकाना हरकत थी, उस लड़की के फैसले का सम्मान करता हूं

यह सुनकर आमिर ने आवेश में आकर अपना सिर मुंडवा लिया। लेकिन जब वह फिल्म होली के लिए डायरेक्टर केतन मेहता से मिले, तो वह हैरान थे और जब उन्होंने बालों के बारे में पूछा तो एक्टर ने कहा था कि वो लड़की के साथ ही चले गए। आमिर ने कहा था कि उन्होंने जो किया वह बहुत बचकाना था। आमिर ने बताया कि लड़की ने रिश्ता खत्म किया था और उन्होंने उसके फैसले का सम्मान किया और आज भी सम्मान करते हैं।

शादी से पहले 4 बार प्यार, एक्स वाइफ को खून से चिट्ठी

आमिर ने बताया था कि रीना दत्ता से मिलने से पहले उन्हें चार बार प्यार हुआ था। रीना को तो वह खून से चिट्ठियां लिखा करते थे, जिससे वह नाराज हो जाती थीं। तब रीना ने आमिर को समझाया कि उनके एक्शन और हरकतें बहुत बचकाना हैं। आमिर को इस बात का अहसास हुआ और उन्होंने फैंस से भी गुजारिश थी कि वो ऐसा कभी न करें।

रजनीकांत से भी अमीर हैं ब्रह्मानंदम

थलाइवा जो 49 साल में नहीं कर सके,वो इन्होंने 39 साल में कर दिखाया

क्या आप जानते हैं कि साउथ फिल्मों के मशहूर कॉमेडियन ब्रह्मानंदम थलाइवा रजनीकांत से भी ज्यादा अमीर है? रजनीकांत जो करियर के 49 साल में नहीं हासिल कर सके, वो ब्रह्मानंदम ने 39 साल में हासिल कर लिया और सबको हैरान कर दिया। ब्रह्मानंदम ने साल 1985 में एक टीवी शो से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, जबकि रजनीकांत ने उनसे 10 साल पहले 1975 में एक्टिंग डेब्यू किया था। आज दोनों ही स्टार्स की तगड़ी फैन फॉलोइंग और अपना-अपना फैन बेस है। ब्रह्मानंदम ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे-मोटे किरदारों से की थी, पर आज वह दौलत और शोहरत की ऐसी बुलंदियों पर हैं कि हर कोई उनके साथ काम करना चाहता है। यही नहीं, उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। और तो और, ब्रह्मानंदम साउथ की लगभग हर दूसरी फिल्म का हिस्सा होते हैं।

39 साल पहले करियर शुरू, गिनीज बुक में दर्ज है नाम

ब्रह्मानंदम को एक्टिंग में सबसे पहला मौका तेलुगु डायरेक्टर जन्धयाला ने दिया था। उन्होंने एक्टर को एक नाटक करते हुए देखा और एक्टिंग से प्रभावित हो गए थे। उन्होंने ब्रह्मानंदम को टीवी शो पकापकालू में देखा और इतना प्रभावित हुए कि फिल्म चन्ताबाबाई में मौका दिया, जिसमें उनका छोटा सा रोल था। यहीं से ब्रह्मानंदम की किस्मत खुल गई। वह छोटे-छोटे ही सही पर अहम रोल करके करियर में आगे बढ़ते गए। आज ब्रह्मानंदम की गिनती साउथ के हाइएस्ट पेड स्टार्स में होती है। वह वहां के टॉप कॉमेडियन माने जाते हैं।

ब्रह्मानंदम और रजनीकांत की नेट वर्थ, कौन सबसे अमीर?

ब्रह्मानंदम ने अपने 39 साल के करियर में 1100 फिल्में की हैं और रजनीकांत से भी अमीर हैं। नेट वर्थ ज्ञान के मुताबिक, ब्रह्मानंदम की नेट वर्थ साल 2024 में करीब 550 करोड़ रुपये है। वहीं, रजनीकांत की नेट वर्थ 430 करोड़ रुपये है। फोर्ब्स ने आईएमडीबी के डेटा के मुताबिक, बताया था कि बॉलीवुड और साउथ के कौन से 10 हाइएस्ट पेड स्टार्स हैं। उसमें रजनीकांत की नेट वर्थ 430 करोड़ रुपये बताई गई। वह एक फिल्म के लिए 115-270 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। वहीं ब्रह्मानंदम एक फिल्म के लिए एक से दो करोड़ रुपये फीस लेते हैं।

फिल्म धर्मवीर 2 ट्रेलर लॉन्च में सलमान खान की हुईधांसू एंट्री

फिल्म धर्मवीर 2 का ट्रेलर मुंबई में लॉन्च हो गया है। यह फिल्म 1977 में आई फिल्म धर्मवीर का सीक्वल है, जिसके ट्रेलर लॉन्च के लिए एक इवेंट का आयोजन बीती रात 20 जुलाई को किया गया था। इस ट्रेलर लॉन्च में सलमान खान भी शामिल हुए। उनके अलावा इस इवेंट में गोविंदा, जितेंद्र और बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी नजर आए। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म प्रोड्यूसर और एक्टर जैकी भगनानी भी अपनी पत्नी रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आए। वहीं इस इवेंट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सलमान खान और सीएम एकनाथ शिंदे दोनों एक-दूसरे के साथ दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड के भाईजान का सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात करते हुए एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में आप सलमान खान की दबंग एंट्री देख सकते हैं। धर्मवीर 2 के ट्रेलर लॉन्च में सलमान खान की स्टाइलिश एंट्री देख सभी की निगाहें उन्हीं पर टिकी रहीं। बता दें कि यह फिल्म प्रवीण तरडे की दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे की बायोपिक है।

खुला पत्र

स्वास्थ्य मंत्री की अनुशंसा और मुख्यमंत्री के आदेश पर जनसंपर्क संचालनालय के आयुक्त सह संचालक ने दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापन पर लगाई रोकःसूत्र

- क्या अखबार में छप रही कमियों को रोकने केवल छत्तीसगढ़ सरकार ने खेला बड़ा दांव ?
- शासन के तुगलकी फरमान के विरोध में दैनिक घटती-घटना अखबार का कलम बंद अभियान के हुए 22 दिन पूरे...
- क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी...क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी...क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी...?

-रवि सिंह-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क संचालनालय के आयुक्त सह संचालक मयंक श्रीवास्तव ने मौखिक आदेश देते हुए सरगुजा अंचल से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापनों पर पूरी तरह से रोक लगा दिया और ऐसा स्वास्थ्य मंत्री की अनुशंसा से मुख्यमंत्री के आदेश पर किया गया है ऐसा सूत्रों का दावा है।

बता दें कि दैनिक घटती-घटना लगातार सरकार की खासकर स्वास्थ्य विभाग की कमियों को उजागर कर रहा था जो कोरिया जिले सहित सूरजपुर जिले की स्वास्थ्य विभाग की कमियां थीं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को लेकर थी जिनका दिव्यांग प्रमाण-पत्र ही फर्जी बताया जा रहा है जिसके आधार पर वह नौकरी प्राप्त कर सके हैं। कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग के पूर्व डीपीएम जो वर्तमान में सूरजपुर जिले में प्रभारी डीपीएम बतौर सेवा दे रहे हैं उनकी ही कमियां और उनके भ्रष्टाचार को लेकर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र ज्यादा हाशिए पर है । स्वास्थ्य मंत्री के और मुख्यमंत्री के क्योंकि प्रभारी डीपीएम खुद को स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बताते हैं और वह इस आधार पर भ्रष्टाचार को अपना अधिकार समझते हैं। बता दें की कांग्रेस शासनकाल से आज तक के कार्यकाल की यदि सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम की जांच की जाए तो इतने बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होगा जिसे देखकर सुनकर सभी अचंभित हो जायेंगे क्योंकि कोरोना वैश्विक महामारी काल में भी कोरिया का प्रभारी डीपीएम रहते हुए तथाकथित स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे आपदा को अवसर में बदलकर काफी भ्रष्टाचार किए थे जिसकी जांच की मांग भी हुई थी जो लंबित है। वहीं उनका अपना एक नर्सिंग कॉलेज भी है जो बिना अनिवार्य सुविधा व्यवस्था के संचालित है जिसकी भी शिकायत हुई है। उनकी खुद की डिग्री फर्जी है इसकी भी शिकायत हुई है लेकिन सभी जांच कार्यवाही इसलिए लंबित है क्योंकि वह खुद को वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बताकर बच निकल रहा है और कहीं न कहीं उसे संरक्षण भी मिल रहा है । प्रशासन-शासन का वैसे समाचार पत्र घटती-घटना में स्वास्थ्य विभाग की कमियों से लेकर मंत्री के साथ चल रहे विवादित स्टॉफ, दलालों के बारे में लगातार खबरे आ रही थीं जिसके बाद मंत्री ने आवाज दबाने के लिए विभागीय विज्ञापनों पर जनसंपर्क से रोक लगवा दिया है जिसे तुगलकी फरमान ही समझा जा रहा है। इसके विरोध में पिछले 22 दिन से पूरा अखबार कलम बंद छप रहा है और अखबार का कलम बंद अभियान जारी है और प्रतिदिन यही पूछा जा रहा है कि मुख्यमंत्री जी, स्वास्थ्य मंत्री जी और जनसंपर्क के संचालक मयंक श्रीवास्तव जी, आखिर क्या छापें अखबार में कि आप लोगों का दबाव न हो और आप खुश रहें।आप ही बता दीजिए पर पिछले 22 दिन में इसका जवाब दे पाने में सभी नाकाम दिखे वहीं जहां इस अभियान की लोग सराहना कर रहे हैं और सरकार की छवि धूमिल हो रही है पर सरकार अपने रवैया पर चिंता करने को तैयार नहीं है। आखिर शासकीय अनुदान राशि का विज्ञापन क्यों रोका गया इसका जवाब आज तक जिम्मेदार नहीं दे पाए हैं?

कलम हमेशा स्वतंत्र रहे...

ज्ञात हो कि तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान सिर्फ इस वजह से चलाया जा रहा है ताकि कलम पर प्रतिबंध न लगे। कलम हमेशा स्वतंत्र रहे पर इसकी स्वतंत्रता पर ही नियंत्रण करने का प्रयास वर्तमान सरकार कर रही है जो कहीं ना कहीं कलम पर कुठाराघात माना जाएगा।

पत्रकारों की सुरक्षा

पत्रकारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने की सुरक्षा कब दी जाएगी ताकि वे बिना किसी डर के समाज के लिए सच्चाई उजागर कर सकें? छत्तीसगढ़ शासन से निवेदन है कि वे इस मुद्दे पर संज्ञान लें और उचित कार्रवाई करें, ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मजबूत और स्वतंत्र बना रहे।

जांच की मांग

क्या आप तत्काल एक निष्पक्ष जांच समिति बैठा सकते हैं जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रिंस जायसवाल पर लगे आरोपों की जांच करे और सच्चाई सामने लाए?

स्वास्थ्य मंत्री से सवाल

आपके पास स्वास्थ्य विभाग के तहत भ्रष्टाचार के आरोपों के प्रमाण होने के बावजूद इस मामले पर कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया गया है?

छत्तीसगढ़ शासन से सोशल मीडिया के माध्यम से निष्पक्ष सवाल पूछने लगे हैं लोग

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया निष्पक्ष और स्वतंत्र होना चाहिए,परंतु वर्तमान में न्याय के लिए पत्रकारों को कलम बंद आंदोलन करना पड़ रहा है। यह अत्यंत विडंबना की बात है कि जब एक पत्रकार भ्रष्टाचार के प्रमाण सहित खबर प्रस्तुत करता है, तो शासन और स्वास्थ्य मंत्री इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते। अब सरकार से लोग सोशल मीडिया पर स्वतंत्र सवाल पूछ रहे हैं और वह जानना चाह रहे हैं कि क्या सच लिखने पर सरकार की कमियां दिखाने पर या भ्रष्टाचार उजागर करने पर कलम बंद करने का ही दबाव सरकार डालेगी सभी पर।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

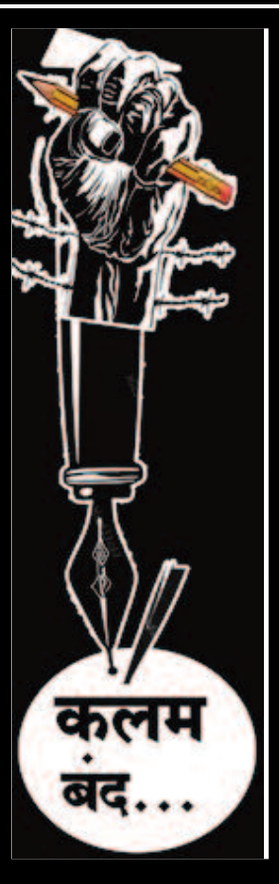

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)